



“सिंह-ममन सुहृद्-वध” ॥ गीता ॥

वीर-हृदीर

“सिंह-ममन सुहृद्-वध”

कदलि करे इक बार

तिरियोल, हमीर-हड,

जड़े न हूमी बार” ॥

“शेखर”

“शेखर”